

## शास्त्री फलितज्यौतिषम्

| Semester | NAME OF THE COURSE<br>(फलितज्यौतिषम्) | CREDIT | UNITS                                 | Source                                                                                                                                        | Objectives & Outcomes                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|----------|---------------------------------------|--------|---------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 7        | GE-7<br>(Total Credits – 4)           | 1      | होरालग्नादिसाधनम्, जैमिनीयायुर्दायः च | <b>आधारग्रन्थौ –</b><br><b>१. जैमिनीयसूत्रम्</b><br><b>२. बृहज्जातकम्</b><br>सहायकग्रन्थाः-<br>१. जातकपारिजातः,<br>२. सारावली,<br>३. फलदीपिका | <b>अस्य पाठस्य उद्देश्यानि –</b><br><ul style="list-style-type: none"> <li>● जैमिनीयमतमवलम्ब्य होरालग्नादीनां वैशिष्ट्यज्ञानम् ।</li> <li>● आयुर्दाये जैमिनीयमतस्य अध्ययनम् ।</li> <li>● नक्षत्रदशापेक्षया (विंशोत्तरीदशापेक्षया) आयुर्दायदशायाः विशेषतायाः अवगमनम् ।</li> <li>● दशाफलनिरूपणम् ।</li> </ul> <b>फलितांशः-</b><br>अस्याध्ययनेन छात्रः होरालग्नादीन् साधयितुं तद्वारा फलानि निरूपयितुं तथा जातकं दृष्ट्वा स्वल्प-मध्य-दीर्घायुर्भेदान् गणयितुं समर्थः भवति । आयुर्दायदशायां यस्य ग्रहस्य आयुर्दायगणितेन यावत् आयुः प्राप्तं तावदेव तस्य दशावर्षाणि भवन्ति, तत्र लग्नरविचन्द्रेषु बलिष्ठस्य एव आदिमदशा भवति, ततः तत्केन्द्रादिस्थितानां ग्रहाणां बलाबलवशतः दशाः भवन्ति इत्यादिविषयान् प्रतिपादयितुं सक्षमः भवति। अस्य विस्तृतम् अध्ययनम् आचार्यस्तरे भविष्यति। |
|          |                                       | 1      | बृहज्जातकोक्तायुर्दायस्वरूपम्         |                                                                                                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|          |                                       | 1      | आयुर्दायदशानिर्णयः                    |                                                                                                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|          |                                       | 1      | दशाफलानि                              |                                                                                                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |

## शास्त्री फलितज्यौतिषम्

| Semester | NAME OF THE COURSE<br>(फलितज्यौतिषम्) | CREDIT | UNITS                                   | Source                                                                                                    | Objectives & Outcomes                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|----------|---------------------------------------|--------|-----------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 8        | GE-8<br>(Total Credits – 4)           | 1      | आजीविकाविचारः                           | <b>आधारग्रन्थौ –</b><br>१. बृहज्जातकम्,<br>२. जातकपारिजातः<br>सहायकग्रन्थौ-<br>१. सारावली,<br>२. फलदीपिका | <b>अस्य पाठस्य उद्देश्यानि –</b><br>● मनुष्यः केन कर्मणा जीवनं निर्वहति, कथं वा धनं प्राप्नोति इत्यस्य अध्ययनम् ।<br>● राजत्वप्राप्तिकराणां योगानां (आधिकारिकयोगानां) अवबोधनम् ।<br>● महापुरुषयोगानाम् अवगमनम् ।<br>● योगेषु नाभसयोगानां वैशिष्ट्यस्य निरूपणम् ।<br><b>फलितांशः:-</b><br>अस्याध्ययनेन छात्रः जन्मकुण्डलीं दृष्ट्वा वृत्तिचिन्तनं कर्तुं समर्थः भवति। राजकीयक्षेत्रे प्राशासनिकक्षेत्रे वा कस्य अधिकारः भवति इति निरूपयितुं कुशलः भवति । अवशिष्टानां सर्वेषां यगानां फलं तत्तद्दशासु भवति चेदपि नाभसयोगानां फलं सर्वदा अनुभूयते इति प्रायोगिकरूपेण प्रतिपादयितुं सशक्तः भवति । |
|          |                                       | 1      | राजयोगाः                                |                                                                                                           |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|          |                                       | 1      | पञ्चमहापुरुषयोगादयः प्रमुखाः योगविशेषाः |                                                                                                           |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|          |                                       | 1      | नाभसयोगाः                               |                                                                                                           |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |

## शास्त्री सिद्धान्तज्यौतिषम्

| Semester | NAME OF THE COURSE<br>(सिद्धान्तज्यौतिषम्) | CREDIT | UNITS                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | Source                                                                                                                                                                          | Objectives & Outcomes                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|----------|--------------------------------------------|--------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 7        | GE-7<br>(Total Credits – 4)                | 1      | सिद्धान्तपरिचयः, सौर-सावन-चान्द्र-नाक्षत्र-पितृ-दिव्य-मनु-ब्राह्म-<br>बार्हस्पत्यकालमानानि भगणपरिभाषा च                                                                                                                                                                                                                                         | <b>आधारग्रन्थः –</b><br><b>सूर्यसिद्धान्तः</b><br><b>(तत्त्वामृतव्याख्योपेतः)</b><br>सहायकग्रन्थाः-<br>१. सिद्धान्तशिरोमणिः,<br>२. सिद्धान्ततत्त्वविवेकः<br>३. शिष्यधीवृद्धिदम् | शास्त्रिसप्तमसत्रार्थे सिद्धान्तज्यौतिषच्छात्राणां कृते GE-7 इत्यत्र सूर्यसिद्धान्त-<br>सिद्धान्तशिरोमणि-सिद्धान्ततत्त्वविवेकादिग्रन्थगतं कालविषयकं,<br>भगणादिविषयकं, खगोलविषयकं च परिचयात्मकम् अध्ययनं परिकल्पितमस्ति।<br><b>अस्य पाठस्य प्रमुखानि उद्देशानि अधोलिखितानि सन्ति-</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>● युगे कल्पे च ग्रहाणाम् उच्चादिभगणानां ज्ञानम्।</li> <li>● युगे कल्पे च नक्षत्रभ्रमण-सावनदिन-चान्द्र-मास-अधिमास-क्षयदिनादीनां ज्ञानम्।</li> <li>● सृष्ट्यादितः कल्पादितो वा गतवर्षज्ञानम्।</li> <li>● अहर्गणसाधनं, मध्यमग्रहसाधनं, बार्हस्पत्यवर्षज्ञानञ्च।</li> <li>● मध्यम-स्पष्टभूपरिधि-वारप्रवृत्त्यादिविषयाणां ज्ञानम्।</li> <li>● गर्भक्षितिजादिविविधक्षिजलक्षणज्ञानम्।</li> <li>● इन्द्रधनुर्-उल्का-मेघ-भूकम्पादिलक्षणज्ञानम्।</li> <li>● ग्रहकक्षाक्रम-ग्रहकक्षायोजन-खखक्षाप्रमाण-परमविक्षेपकलादीनां परिज्ञानम्।</li> </ul> <b>फलतांशः-</b><br>अस्य पाठस्य अध्ययनेन खगोलप्रपञ्चे युगीय-कल्पीयभगणादीनां ज्ञानं सम्प्राप्य<br>छात्राः अहर्गणसाधने दक्षाः भविष्यन्ति तथा तेनैव अहर्गणेन<br>मध्यमभ्रमणसाधनमपि कर्तुं प्रभविष्यन्ति छात्राः, यत् खलु समग्रस्य ग्रहगणितस्य<br>आधारभूतमस्ति। |
|          |                                            | 1      | युगे कल्पे च ग्रहाणाम् उच्चादीनां भगणाः नक्षत्रभ्रमणानि,<br>सावनदिनानि, चान्द्रमासाः, अधिमासाः, क्षयदिनानि सृष्ट्यादितः<br>कल्पादितश्च गतवर्षानयनम्, अहर्गणसाधनम्,<br>मासेशवर्षेसाधनञ्च (सोदाहरणम् अभ्यासः)                                                                                                                                     |                                                                                                                                                                                 |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|          |                                            | 1      | अहर्गणात् मध्यमग्रहानयनम्, बार्हस्पत्यकालमानं तत्र विजयादि-<br>प्रभवादिसंवत्सरज्ञानम्, मध्यमभूपरिधिमानं, मध्यमभूव्यासमानं,<br>रेखावृत्तरेखादेशज्ञानम्, स्पष्टभूपरिधिसाधनम्, वृत्तक्षेत्रफलानयनम्,<br>याम्योत्तर-पूर्वापरदेशान्तरज्ञानम्, वारप्रवृत्तिः च (सोदाहरणम्<br>अभ्यासः)                                                                 |                                                                                                                                                                                 |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|          |                                            | 1      | सिद्धान्ततत्त्वविवेकस्थाः गर्भक्षितिज-पृष्ठक्षितिज-उदयास्तक्षितिज-<br>साधारणक्षितिजलक्षणम्, इन्द्रधनुर्लक्षणम्, उल्कालक्षणम्,<br>मेघलक्षणम्, भूकम्पलक्षणम्, महामारीलक्षणम्, ग्रहकक्षाक्रमः,<br>ग्रहाणां कक्षायोजनानि, भूकेन्द्रात् ग्रहकक्षाणां दूरत्वम्,<br>खकक्षाप्रमाणम् इत्यादिविषयाः,<br>सूर्यसिद्धान्तोक्ताः चन्द्रादीनां परमविक्षेपकलाः। |                                                                                                                                                                                 |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |

## शास्त्री सिद्धान्तज्यौतिषम्

| Semester | NAME OF THE COURSE<br>(सिद्धान्तज्यौतिषम्) | CREDIT | UNITS                                                                                                                                                                                                                                                   | Source                                                                                                                                                                          | Objectives & Outcomes                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|----------|--------------------------------------------|--------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 8        | GE-8<br>(Total Credits – 4)                | 1      | ग्रहस्पष्टीकरणस्य प्रयोजनम्, चतुर्विंशतिज्याखण्डानि, ज्यासाधनम्, चापतः ज्यासाधनम्, ज्यातः चापसाधनम् इष्टक्रान्तिसाधनं च। (सोदाहरणम् अभ्यासः)                                                                                                            | <b>आधारग्रन्थः –</b><br><b>सूर्यसिद्धान्तः</b><br><b>(तत्त्वामृतव्याख्योपेतः)</b><br>सहायकग्रन्थाः-<br>१. सिद्धान्तशिरोमणिः,<br>२. सिद्धान्ततत्त्वविवेकः<br>३. शिष्यधीवृद्धिदम् | शास्त्रि-अष्टमसत्रार्थे सिद्धान्तज्यौतिषच्छात्राणां कृते <b>GE-8</b> इत्यत्र सूर्यसिद्धान्तस्य स्पष्टाधिकारसम्बद्धाः विषयाः निर्धारिताः सन्ति । अस्य पाठस्ये प्रमुखानि उद्देश्यानि अधोलिखितानी सन्ति ।<br><ul style="list-style-type: none"> <li>● चतुर्विंशतिज्याखण्डानां साधनम् ।</li> <li>● इष्टचापस्य ज्यासाधनम्, इष्टज्यातः चापसाधनम् ।</li> <li>● केन्द्रानयनं, भुजकोज्ज्यासाधनं, मन्दफलसाधनं, शीघ्रफलादिसाधनं च ।</li> <li>● शीघ्रमन्द्रकर्णणोः धनर्णत्वं, भुजान्तसंस्कार, वक्रारम्भे वक्रत्यागे च केन्द्रांशज्ञानम् ।</li> <li>● शरानयनम्, ग्रहाणां स्फुटसावनदिनमानज्ञानम्, चरसंस्कारः, नक्षत्रादिसाधनञ्च ।</li> </ul> <b>फलितांशः-</b><br>अस्य पाठस्य अध्ययनेन छात्राः ज्यासाधनविषयकं ज्ञानं प्राप्स्यन्ति, तथैव ग्रहस्पष्टीकरणनिमित्तकं मन्दफल-शीघ्रफलदिसाधनक्रममपि ज्ञास्यन्ति । एवमेव स्पष्टक्रान्ति-दिनरात्रिमान-तिथ्यादीनां साधनमपि करिष्यन्ति छात्राः। एतत्सर्वमपि ग्रहगणितरतानां छात्राणां कृते बहूपयोगि भवति। |
|          |                                            | 1      | केन्द्रानयनं, भुजज्याकोटिज्यासाधनं, मन्दफलसाधनम्, शीघ्रोच्चादीनां प्रभावः, गत्यन्तरे हेतुः, ग्रहे धनर्णत्वम्, पाताकर्षणम् ग्रहाणां मन्दपरिध्यंशाः, भौमादीनां शीघ्रपरिध्यंशाः, इष्टपरिध्यंशज्ञानम्, शीघ्रकर्णानयनम्, शीघ्रफलसाधनं च। (सोदाहरणम् अभ्यासः) |                                                                                                                                                                                 |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|          |                                            | 1      | ग्रहाणां स्फुटीकरणार्थं संस्काराः, शीघ्रमन्दकर्मणोः धनर्णत्वम्, भुजान्तरसंस्कार, वक्रारम्भ-वक्रत्यागे केन्द्रांशाः, मार्गारम्भकेन्द्रांशेषु हेतुः च। (सोदाहरणम् अभ्यासः)                                                                                |                                                                                                                                                                                 |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|          |                                            | 1      | शरानयनम्, क्रान्तिशरसंस्कारेण स्पष्टक्रान्तिज्ञानम्, ग्रहाणां स्फुटसावनदिनमानम्, क्रान्तिज्या-भुजज्या-चराणां साधनम् चारसंस्कारः, दिनरात्रिमानज्ञानं, तिथ्यादिज्ञानं च। (सोदाहरणम् अभ्यासः)                                                              |                                                                                                                                                                                 |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |